



भगवान राम की शिक्षा-दीक्षा व परीक्षा की धरती है बक्सर

आरएसएस प्रमुख की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय संत सम्मेलन संपन्न
अंतरराष्ट्रीय संत समागम के मुख्य अतिथि बने संघ प्रमुख

केटी न्यूज/बक्सर

आज जलभरी के साथ शुरू होगा लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

जिले के अहिरोली घाम में आयोजित सनातन संस्कृति समागम के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय संत सम्मेलन कार्यक्रम सम्यन् हुआ। जिसमें देश भर से आये साधु-संतों ने हिस्सा लेकर विश्वामित्र की तपोभूमि सिद्धाश्रम बक्सर को अपनी उस्थिति से पुनः सिद्ध किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवक संघ के आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। बक्सर सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने उनका स्वागत किया और दीप प्रज्वलन के साथ साधु संतों के मंत्रोच्चार से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। संघ प्रमुख ने इस वृहद् आयोजन शानदार बताया। उन्होंने मंत्री अश्विनी कुमार चौबे की तारीफ करते हुए कहा कि बक्सर भागवत श्रीराम की कर्मभूमि है, इसके पावन महत्व के बारे में हमारे देश और सम्पूर्ण विश्व को जानना होगा। इस आयोजन से बक्सर को नई पहचान मिलेगी। मोहन भागवत जी ने सनातन संस्कृति समागम को अद्भुत आयोजन बताया। कहा कि महात्माओं एवं साधु संतों के आगमन से कोई भी भूमि पवित्र हो जाती है, फिर बक्सर की पावन धरा पर आना, माता अहिल्या के घाम में

आने का सौभाग्य मिला जिसके लिए मैं आभारी रहूंगा। कार्यक्रम के संयोजक बक्सर सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने मुख्य अतिथि एवं साधु संतों का स्वागत करते हुए बक्सर की पावन धरा को गौरवान्वित बताया। साथ ही अपने उद्बोधन में उन्होंने श्रीराम कर्मभूमि में वामन भगवान का विशाल मन्दिर, भगवान राम की पराकामी प्रतिमा, भगवान राम पर शोध केंद्र एवं यज्ञशाला के निर्माण का संकल्प लिया। पदाभिषेक जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी ने संत सम्मेलन में उद्बोधन देते हुए उपस्थित सभी संत-महात्माओं से राष्ट्रीय समस्याओं पर विचार व्यक्त कर सम्मेलन को सफल बनाने का आग्रह किया और अयोध्या में निर्माणधीन श्रीराम मन्दिर के लिए मोहन भागवत जी को धन्यवाद देते हुए श्रीराम कर्मभूमि की महत्ता को भक्तगणों से साझा किया। विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरएन सिंह ने मुख्य अतिथि मोहन भागवत एवं सभी साधु-महात्माओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।



कुछ लोग धर्म परिवर्तन करा रहे हैं, हम परावर्तन कराएंगे : रामभद्राचार्य महाराज

बक्सर। संत रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि राष्ट्र के जुड़े मुद्दों पर सभी लोगों को एकजुट होकर बात करनी चाहिए। संत रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर चीन द्वारा कब्जा किया गया 800 वर्ग मिल भूमि बहुत जल्द भारत का अंग होगा। इसके लिए हनुमंत महायज्ञ कराने जा रहा हूँ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय समस्याओं पर सभी संतों का

एक मत होना चाहिए। हिन्दू धर्म में एक प्रचलन चल रहा है। कुछ लोग धर्म परिवर्तन करा रहे हैं। लेकिन मेरा मत है कि जो लोग परिवर्तन करा रहे हैं, हम उनका परावर्तन कराएंगे। जितने लोगों का धर्म परिवर्तन हुआ है, उनका हम परावर्तन कराएंगे। भारतीय समस्याओं का समाधान तब तक नहीं होगा, जब तक देश में 80 फिसदी हिन्दू नहीं हो जाएंगे।



देश को बचाने के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून आना चाहिए : स्वामी यतीन्द्रनाथ

बक्सर। अंतरराष्ट्रीय संत सम्मेलन में पूज्य श्री महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रनाथ गिरी जी महाराज का संबोधन कुछ ऐसे डॉक्टर जिन्हें डॉक्टर नहीं आती थी, उन्होंने कैसर की ऑपरेशन कर दिया। दो पार्ट निकाल कर अलग कर दिया। एक भारत बन गया एक पाकिस्तान बन गया। जो हिन्दुस्तान में रहना नहीं चाहते थे और जिनको भारत नाम अच्छा नहीं

लगता था, ऐसे लोग बाहर हो गए। लेकिन, उसके बाद यह समस्या खड़ी हो गई कि जिनका वास्तव में कीमोथिरेपी होनी चाहिए थी, उनका इलाज नहीं हुआ। कुछ ऐसे लोग थे, जो कहते थे कि हम वदेमारतम नहीं बोल सकते, हम भारत माता की जय नहीं बोल सकते हैं। ऐसे लोगों की 1947 में टीक से किमोथिरेपी नहीं हुई थी। जिसके कारण राजनितिक सह पर

पूरे देश में फैल गए हैं। परन्तु अब हमारे देश में देसी डॉक्टर पैदा हो चुके हैं। एक दिल्ली में बैठे हैं और दूसरा यूपी में। दोनों अपने अपने स्तर से एक-एक मरीज की किमोथिरेपी कर रहे हैं। स्वामी यतीन्द्रनाथ ने कहा कि इस कैसर को नियंत्रण करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण की कानून आना ही चाहिए।

कश्मीर हमारा था, हमारा है और हमारा ही रहेगा : स्वामी चिन्मयानंदजी

बक्सर। अंतरराष्ट्रीय संत सम्मेलन में पूज्य स्वामी चिन्मयानंदजी सरस्वती ने कहा कि कश्मीर हमारा था हमारा है यह कहते-कहते श्यामा प्रसाद मुखर्जी चले गए, लेकिन उनका संकल्प आज भी जिंदा है। बक्सर निर्माण, विनय व विजय के साथ भगवान राम की शिक्षा-दीक्षा व परीक्षा की धरती है बक्सर। अपने बच्चों में संस्कार व संस्कृति लाए। ऐसा न हो कि मां-बाप को ही भूल जाए। धरती को बचाना होगा इसलिए हमसब को भगवान वामन बनना होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करें और अधिक से अधिक पेड़ लगाए और जल को दुषित होने से बचाए। आज हर एक व्यक्ति संकल्प से इस विश्वामित्र की धरती से की धरती को बचाएंगे।

